ONLINE CLASS SESSION

- Institute : SISE & CTE, Jabalpur
- Date : 17/04/2020
- Coordinator : Mr. Pradeep Behre
- Class : M. Ed. 2nd Sem
- Time : 02 to 02:40 PM
- Topic : Diagnosis Test and Remedial Teaching in Science Teaching
- TLM Used : Power Point Presentation
- Attendance : 100 %

14:32 4G

नैदानिक परीक्षण की प्रक्रिया : रेखाचित्र द्वारा प्रदर्शित है-

1. निदान चाहने वाले विद्यार्थियों का पता लगाना-
↓
2. विद्यार्थियों की समस्याओं की जानकारी एकत्र करना
↓
3. कठिनाइयों के कारण जानना
↓
4. कठिनाइयों के निवारण हेतु सुझाव देना
↓
5. भविष्य में समस्या / कठिनाई न हो सके उपाय करना

- विद्यार्थियों को पहचानने (Identified) के लिये अधिकतर सर्वेक्षण परीक्षण का प्रयोग किया जाता है। सर्वेक्षक प्रकार के उपलब्धि परीक्षण में जो विद्यार्थी कम अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें नैदानिक परीक्षण दिये जाते हैं ताकि उनकी विशिष्ट कठिनाइयों का पता चल सके। विद्यार्थी के माता-पिता से भी कराया ली जा सकती है।
- द्वितीय चरण में, शिक्षक, विद्यार्थियों की समस्याओं/कठिनाइयों को जानने का प्रयास करता है क्योंकि अलग-अलग विद्यार्थी की अलग-अलग समस्याएं होती सकती है।
- तृतीय चरण में, शिक्षक कठिनाइयों के कारणों को जानता है इससे उसे विद्यार्थी को समझने में सहायता मिलती है।
- चतुर्थ चरण में, समस्या का निदान एवं उपचार व्यक्तिगत रूप से किया जाता है। पुनः
- पंचम चरण में, भविष्य में विद्यार्थी कमजोर न हो जाये इसके लिये कुछ क्रियाकलाप इसी प्रकार के नैदानिक परीक्षण जो पहले दिये गये थे, प्रगति देखने हेतु दिये जाये।

Pradeep Behre's screen

14:21 4G

नैदानिक परीक्षण के उद्देश्य -

(1) अधिगम की प्रक्रिया के अवरोधक कारणों को जानना।
(2) शिक्षक-शिक्षण प्रक्रिया में सुधार लाना।
(3) कमजोर (शैक्षिक दृष्टि से) विद्यार्थियों की पहचान करना।
(4) अध्ययन पद्धतियों को दिशा-निर्देश देना।
(5) विद्यार्थी के आत्मविश्वास में वृद्धि कर स्वप्रेरित करना।
(6) विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को उचित सुझाव/निर्देशन देना।
(7) पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार संशोधन करना जिससे वह विद्यार्थियों के लिये उपयोगी हो।

अर्थात् नैदानिक परीक्षण का उद्देश्य ऐसे तत्वों तथा गलतियों की खोज करना है जो विद्यार्थी की विषय विशेष की प्रगति में रुकावट डालती है।

Pradeep Behre's screen

14:37 4G

- पी. के. बहेरे
एस.आई.एस.ई.
जबलपुर

उपचारात्मक शिक्षण (REMEDIAL TEACHING)

शिक्षण बिंदु

- भूमिका एवं अर्थ
- परिभाषायें
- उपचारात्मक शिक्षण के उद्देश्य
- उपचारात्मक शिक्षण के सिद्धांत
- उपचार हेतु विधियाँ / कार्यक्रम

M

Pradeep Behre's screen

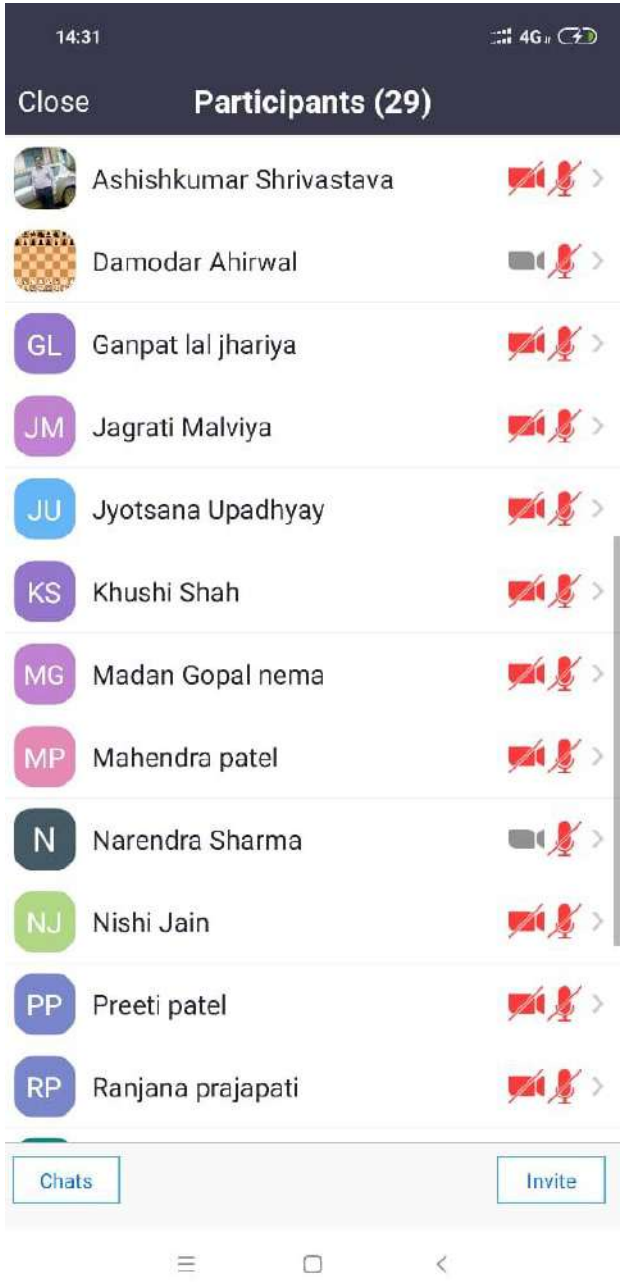
14:31
4G
Close
Participants (29)
Ashishkumar Shrivastava
Damodar Ahirwal
GL Ganpat lal jhariya
JM Jagrati Malviya
JU Jyotsana Upadhyay
KS Khushi Shah
MG Madan Gopal nema
MP Mahendra patel
N Narendra Sharma
NJ Nishi Jain
PP Preeti patel
RP Ranjana prajapati
Chats
Invite

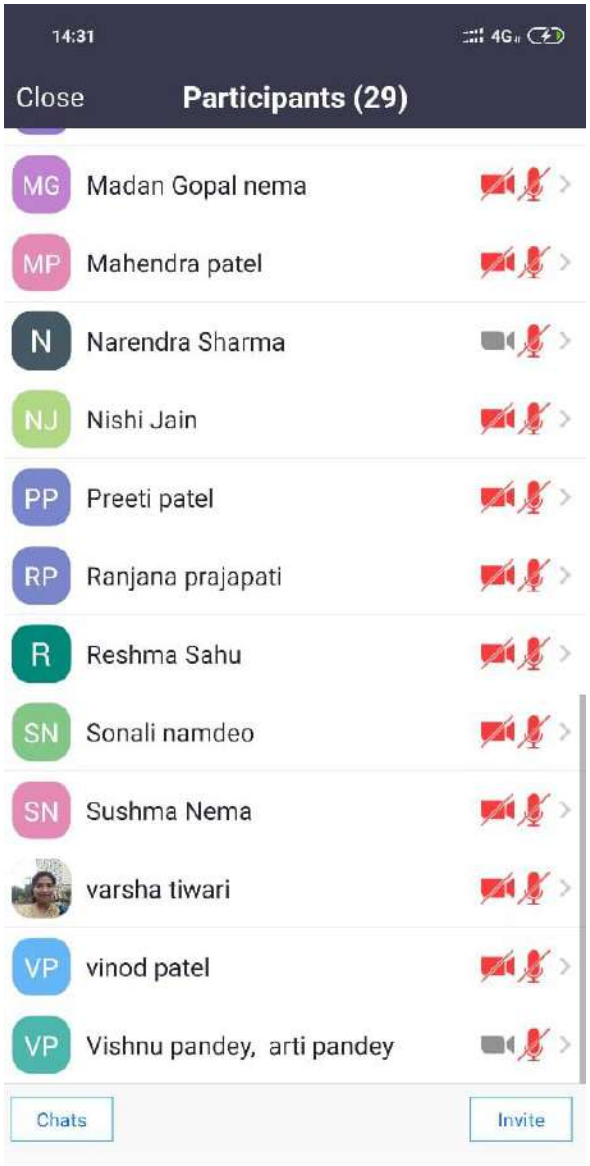
14:31
4G
Close
Participants (29)
MG Madan Gopal nema
MP Mahendra patel
N Narendra Sharma
NJ Nishi Jain
PP Preeti patel
RP Ranjana prajapati
R Reshma Sahu
SN Sonali namdeo
SN Sushma Nema
varsha tiwari
VP vinod patel
VP Vishnu pandey, arti pandey
Chats
Invite

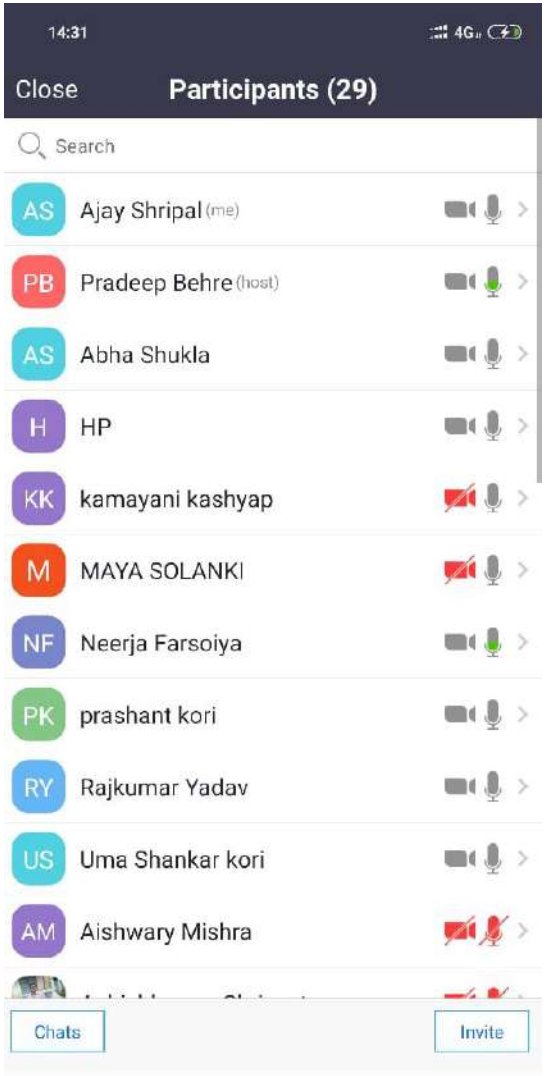
14:31
4G
Close
Participants (29)
Search
AS Ajay Shripal (me)
PB Pradeep Behre (host)
AS Abha Shukla
H HP
KK kamayani kashyap
M MAYA SOLANKI
NF Neerja Farsoiya
PK prashant kori
RY Rajkumar Yadav
US Uma Shankar kori
AM Aishwary Mishra
Chats
Invite

14:37
keshavdubey70@gmail.com
Uma Shankar kori
kamayani kashyap
Abha Shukla

14:36
Rajkumar Yadav
Damodar Ahirwal
Narendra Sharma
Neerja Farsoiya

14:18
Ajay Shripal
prashant kori
Vishnu pandey, arti pandey
HP